

Содержание



Татьяна ПОЛЕЖАЕВА. «СЕРДЦЕ СВОЁ ЗАВЕЩАЮ ТЕБЕ» . . 4

| | |
|--|-----------|
| I. ОТКРЫВАЯ СВОЙ МИР | 7 |
| К Северу | 7 |
| Вовка | 7 |
| Последний бой | 8 |
| Победители | 9 |
| Музыка весны | 10 |
| Ноктюрн | 10 |
| Лунная соната | 11 |
| Ностальгия | 12 |
| Первый снег | 13 |
| Зима | 13 |
| Январь | 14 |
| Говорю о Севере | 14 |
| | |
| II. УХОДЯТ ГОДЫ, СЛОВНО КОРАБЛИ | 16 |
| В больнице | 16 |
| Амулет | 17 |
| Мать | 17 |
| Старый вокзал | 18 |
| Поезда | 19 |
| Незнакомке | 19 |
| Проводы | 20 |
| «Вы» и «ты» | 20 |
| Экспромт | 21 |
| Возраст любви | 21 |
| Серебряная свадьба | 22 |
| Улыбка | 23 |
| Грибной сезон | 24 |
| Журавли | 25 |
| Мёртвый сезон | 26 |

| | |
|---|----|
| Предзимье | 26 |
| Зимний вечер | 27 |
| Зимняя ночь | 27 |
| Минута счастья | 28 |
| Возвращение | 28 |
| Венец желаний | 29 |
| Под грузом лет | 29 |
| Правке не подлежит | 30 |
| Дорога | 31 |
| Полонез Огинского. «Прощание с родиной» | 31 |
| Степень родства | 32 |
| III. ЧУВСТВО РОДИНЫ | 34 |
| Глухомань | 34 |
| Сельский говорок | 35 |
| Душа России | 36 |
| Старый альбом | 36 |
| Петрович | 37 |
| Домовина | 38 |
| Гармонь | 40 |
| Отцы и дети | 40 |
| Память | 41 |
| Звездопад | 42 |
| Стихи-я | 42 |
| Перед листопадом | 43 |
| Журавли над полем | 43 |
| Осеннее | 44 |
| Октябрь | 45 |
| Снегири | 45 |
| Элегия дождя | 46 |
| Колыбель любви | 46 |
| Без тебя | 47 |
| У неё колдовские глаза | 48 |
| Двое на перроне | 48 |
| Счастье | 49 |
| Первый шаг | 50 |
| Проводница | 50 |

| | |
|--|----|
| Встречи и расставания | 51 |
| Ночь | 51 |
| Декабрь | 52 |
| Утрата | 53 |
| Над бездной | 53 |
| Чувство родины | 54 |
| У обелиска | 55 |
| Моя Россия | 56 |
| Жизнь – не поле | 56 |
| Не пора ль перестать городить огороды..... | 56 |
| Ветер | 57 |
| Возмездие | 57 |
| Обречённость | 58 |
| Далеко от Москвы | 59 |
| Звезда Рубцова | 59 |
| Параллели дорог | 60 |
| У истоков | 61 |
| Ветры перемен | 61 |
| Изба | 62 |
| На пепелище | 62 |
| Память сердца | 63 |
| Раздумья | 64 |
| Время | 65 |
| Мысли на берегу | 65 |
| Тень осени | 66 |
| Бессребреник | 66 |
| Пути-перепутья | 67 |
| За рулём | 67 |
| Попытка не пытка | 68 |
| Отдохновение | 68 |
| Хорошее настроение | 69 |
| Мне хорошо | 69 |
| Под сенью сосен | 70 |
| Притяжение | 70 |
| Вельск | 71 |
| Русский Север | 71 |
| Колесо эпохи | 72 |

| | |
|---|----|
| IV. СЕРДЦЕ СВОЁ ЗАВЕЩАЮ ТЕБЕ..... | 74 |
| Запустение | 74 |
| В январе 1944-го | 74 |
| В послевоенный год | 75 |
| В марте 1953 года..... | 76 |
| Незабываемое | 77 |
| Найтие | 77 |
| Тихие зори..... | 78 |
| Поэзия осени | 79 |
| Прощание с журавлями | 79 |
| Межсезонье..... | 80 |
| Любовь и боль | 80 |
| Реальность | 81 |
| После нас..... | 82 |
| Колька | 82 |
| Круговорть | 83 |
| Дядя Ваня | 84 |
| На тихой аллее..... | 85 |
| От ковриги луны... Дорогая пропажа..... | 86 |
| От ковриги луны... Родовое гнездо | 86 |
| От ковриги луны... ПМЖ..... | 87 |
| Афоня..... | 88 |
| Веркола | 89 |
| У рыбацкого костра | 89 |
| Гармония | 90 |
| К малой родине | 91 |